समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

गुजरात जाने से पहले RPF ने मुगलसराय स्टेशन से 8 नाबालिगों को बचाया, सभी बच्चे घर लौटाए गए

Publisher

Published on 14 Oct 2025

चंदौली जिले के डीडीयू आरपीएफ की टीम ने हाल ही में एक अहम और संवेदनशील कार्रवाई को अंजाम दिया। ओखा एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे **8 नाबालिग बच्चों** को रेस्क्यू किया गया, जो **बिना माता-पिता की जानकारी के गुजरात, अहमदाबाद** जा रहे थे। बच्चों का उद्देश्य पैसे कमाना था, लेकिन आरपीएफ की सतर्कता और समय पर हस्तक्षेप ने उन्हें गंभीर स्थिति से बचा लिया।

आरपीएफ सूत्रों के अनुसार, यह नाबालिग बच्चे एक साथ अहमदाबाद की यात्रा पर थे। आरपीएफ ने जब बच्चों की जांच की, तो पता चला कि वे बिना किसी अभिभावक के यात्रा कर रहे हैं। टीम ने तुरंत स्थिति को नियंत्रित किया और बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। बच्चों को सुरक्षित रखने के बाद उनकी स्थिति और परिवार से संपर्क किया गया।

इस रेस्क्यू के दौरान, बच्चों को उनके **परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया भी पूरी की गई**। आरपीएफ ने परिवार को जानकारी दी और बच्चों को सुरक्षित रूप से उनके घर पहुंचाया गया। बच्चों के माता-पिता ने अपनी चिंता व्यक्त की और पुलिस टीम की तत्परता और समय पर कार्रवाई की सराहना की।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की घटनाएं अक्सर होती हैं, जब नाबालिग अपने परिवार की अनुमति या जानकारी के बिना काम या पैसे कमाने के उद्देश्य से यात्रा करते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण को प्राथमिकता दी जाती है। इस रेस्क्यू ने दिखाया कि आरपीएफ का सतर्क और पेशेवर रवैया नाबालिगों को किसी भी संभावित खतरे से बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नाबालिगों को बिना निगरानी के यात्रा करने की कोशिश अक्सर **मानव तस्करी या शोषण का खतरा** बढ़ा देती है। इसलिए रेलवे सुरक्षा बल और आरपीएफ जैसी एजेंसियों की सक्रियता और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। इस कार्रवाई से यह भी संकेत मिलता है कि देश में बाल सुरक्षा और मानव तस्करी रोकने के प्रयास लगातार जारी हैं।

आरपीएफ ने इस घटना पर कहा कि बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए। बच्चों का स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनके परिजनों के हवाले किया गया। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे मामलों को रोकने के लिए रेलवे स्टेशनों पर सतर्कता और निगरानी बढ़ाई जाएगी।

इस कार्रवाई के दौरान यह भी पता चला कि बच्चे पहले से योजना बनाकर अहमदाबाद की यात्रा कर रहे थे। हालांकि, आरपीएफ की सतर्कता ने उनके **खतरे मे पंड़ने से पहले उन्हे सुरक्षित वापस घर पहुंचा दिया**। यह घटना बच्चों और उनके परिवारों के लिए सीख का संदेश भी है कि नाबालिगों की सुरक्षा के लिए समय पर सतर्कता और अभिभावक की निगरानी कितनी महत्वपूर्ण है।

आरपीएफ अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि इस तरह के रेस्क्यू से न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है, बल्कि यह सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी मदद करता है। उन्होंने अपील की कि परिवारों को अपने नाबालिग बच्चों पर नजर रखनी चाहिए और उन्हें इस तरह की खतरनाक यात्राओं से बचाना चाहिए।

सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि रेलवे स्टेशन और ट्रेन यात्रा के दौरान नाबालिगों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है। ऐसे मामलों में आरपीएफ की सक्रियता और तत्परता बच्चों की रक्षा के लिए निर्णायक साबित होती है। चंदौली में हुए इस रेस्क्यू ने यह स्पष्ट कर दिया कि **समय पर कार्रवाई से किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सकता है।**

इस घटना के बाद परिवार और समाज में बाल सुरक्षा के महत्व पर भी ध्यान गया। बच्चों को सुरक्षित रखने और उनके भविष्य को संरक्षित करने के लिए न केवल कानून बल्कि समाज की जागरूकता भी आवश्यक है। आरपीएफ की इस कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.